जवाहर विस्तार दर्पण

संचालनालय विस्तार सेवायें

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर

अप्रैल – जून, 2019 | त्रैमासिक समाचार पत्रिका | वर्ष– 03 अंक – 11

इस अंक में

- विस्तार संचालनालय की गतिविधियाँ
- कृषि विज्ञान केन्द्रों की गतिविधियाँ
- अवार्ड/सम्मान
- माह के कार्य

संरक्षक
प्रो. प्रदीप कुमार बिसेन
कुलपति
ज.ने.कृ.वि.वि., जबलपुर

मार्गदर्शक
डॉ. (श्रीमती) ओम गुप्ता
संचालक विस्तार सेवाएं
ज.ने.कृ.वि.वि., जबलपुर

प्रधान संपादक
डॉ. अर्चना पाण्डे

संपादक मंडल
डॉ. टी.आर. शर्मा
डॉ. संजय वैशंपायन
डॉ. वाय.एम. शर्मा
डॉ. प्रमोद गुप्ता

निदेशक की कलम से

जल ही जीवन है, यह एक यथार्थ एवं अंतिम सत्य है। विगत कई वर्षों से बारिश की अनियमितता को देखते हुये जल संरक्षण आवश्यक हो गया है, जल संरक्षण हेतु दृढ संकल्प के साथ सकारात्मक प्रयास आवश्यक है। कृषि कार्यों में लगभग 70 प्रतिशत जल का उपयोग होता है। जल की कमी से हमारा जीवन व कृषि कार्य प्रभावित होते हैं। खेती के लिये जितने जल की आवश्यकता है, उससे अधिक जल व्यर्थ चला जाता है। फसलों की सिंचाई उन्नत विधियों से करके जल के अपव्यय को रोका जा सकता है। पौधा रोपण में मल्चिंग का प्रयोग एवं सिंचाई के आधुनिक उन्नत तरीके जैसे ड्रिप, स्प्रिंकलर आदि के उपयोग से जल को बचाया जा सकता है। मानसूनी वर्षा के समय खेतों में मेड़ बनाकर जल संरक्षण किया जा सकता है। आवश्यकता है कि जल संरक्षण हेतु जागरूकता अभियान चलाया जाये, ताकि वर्षा जल का संरक्षण करके भूमिगत जल स्तर में वृद्धि हो सके।

भविष्य में जल की आवश्यकता को पूरा करने एवं व्यर्थ बहने से बचाने के लिए प्राकृतिक संसाधनों के माध्यम से बारिश के जल को एकत्रित और संग्रहित किया जाता है, इस विधि को रूफटॉप रेन वॉटर हार्वेस्टिंग कहा जाता है। जल संचयन हेतु कम लागत की इस विधि को कृषि विज्ञान केन्द्रों बालाघाट, शहडोल, बैतूल, छतरपुर, छिंदवाड़ा, दमोह, सागर, सिवनी, टीकमगढ़ द्वारा सफलतापूर्वक स्थापित किया गया इस अनुकरणीय पहल से हमारे कृषक लाभान्वित होंगे। भू–जल संवर्धन और वर्षा जल के संवर्धन हेतु जल ग्रहण की गतिविधियों को आमजन से जोड़कर सफलता प्राप्त हो सकेगी, ताकि आने वाली पीढ़ी हेतु जल की पर्याप्त उपलब्धता रहे।

डॉ. श्रीमती ओम गुप्ता
संचालक विस्तार सेवायें

विस्तार संचालनालय की गतिविधियाँ

- **न्यूट्री स्मार्ट विलेज कार्यशाला :** दिनांक 8 अप्रैल, 2019 को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें न्यूट्री स्मार्ट विलेज की कार्ययोजना में संशोधन किया गया। इस कार्यशाला में विश्वविद्यालय की खाद्य वैज्ञानिक एवं महिला बाल विकास विभाग, कृषि विभाग एवं पशुपालन विभाग के अधिकारी उपस्थित थे ।
- **फारमर्स फर्स्ट :** फारमर्स फर्स्ट की बैठक दिनांक 2 मई, 2019 को विस्तार संचालनालय में आयोजित की गई, जिसमें संचालक विस्तार सेवायें डॉ. श्रीमति ओम गुप्ता, परियोजना समन्वयक एवं अन्य वैज्ञानिक उपस्थित थे। बालाघाट के परियोजना समन्वयक द्वारा परियोजना की उपलब्धि एवं आगामी कार्ययोजना पर चर्चा की गई।
- **सीड हब :** दिनांक 27–28 मई, 2019 को ICAR-ATARI में सीड हब की बैठक आयोजित की गई जिसमें कृषि विज्ञान केन्द्र नरसिंहपुर, टीकमगढ़, दमोह, बैतूल, हरदा के सीड हब प्रभारी उपस्थित थे। सीड हब बैठक में पिछले तीन वर्षों की प्रगति की समीक्षा की गयी। इन 5 केन्द्रों द्वारा 12000 क्विंटल लक्ष्य के सामने कुल 7594 क्विटल दलहन के प्रमाणित बीजों का उत्पादन किया गया। सभी केन्द्रों में बीज गोदाम बनाया गया एवं बीज प्रसंस्करण मशीनों की स्थापना की गयी ।
- **आदर्श विकास परियोजना :** दिनांक 08–09 मई, 2019 को जबलपुर संभाग के विकास खण्डों में

सम्भावनायुक्त आदर्श विकास परियोजना के अंतर्गत विकासखंड स्तरीय मॉडल तैयार करना एवं क्रियान्वन पर दो दिवसीय कार्यशाला का उद्घाटन माननीय कुलपति डॉ. पी.के. बिसेन एवं कमिश्नर जबलपुर संभाग श्री राजेश बहुगुणा, संचालक अनुसंधान डॉ. पी. के. मिश्रा, संचालक विस्तार सेवायें डॉ. श्रीमति ओम गुप्ता की उपस्थिति में हुआ। इस कार्यशाला में जबलपुर संभाग के कृषि विज्ञान केन्द्रों नरसिंहपुर, कटनी, मण्डला, जबलपुर, बालाघाट, छिंदवाड़ा, सिवनी के वैज्ञानिक एवं कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा 8 जिलों के 64 विकास खण्डों हेतु विकास की रूपरेखा बनाई गई ।

- **समूह अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन कार्यशाला :** दिनांक 14–15 मई, 2019 को कृषि विज्ञान केन्द्र, बैतूल में

समूह अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन की कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें ज.ने.कृ.वि.वि. के अधीनस्थ कृषि विज्ञान केन्द्र के विषय वस्तु विशेषज्ञ उपस्थित थे। इस कार्यशाला में समूह अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन के परिणामों की समीक्षा एवं आगामी वर्ष 2019–20 की कार्ययोजना पर विचार विमर्श किया गया। कार्यशाला में संचालक विस्तार डॉ. ओम गुप्ता, संयुक्त संचालक डॉ. दिनकर शर्मा एवं दलहन विकास निदेशालय भोपाल के निदेशक श्री ए.के. तिवारी उपस्थित थे।

- **आर्या एवं नीकरा पर कार्यशाला :** दिनांक 27–28 मई, 2019 को समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया जिसमें वर्ष 2018–19 की प्रगति प्रतिवेदन एवं आगामी वर्ष 2019–20 की कार्ययोजना का प्रस्तुतीकरण कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा किया गया ।
- **आदिवासी कृषि विज्ञान केन्द्रों हेतु कार्यशाला:** दिनांक 29–30 मई 2019 को आदिवासी कृषि विज्ञान केन्द्रों हेतु कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें नीति आयोग परियोजना हेतु वर्ष 2019–20 के प्रतिवेदन प्रस्तुत किये गये ।
- **कृषि विज्ञान केन्द्रों की कार्ययोजना 2019–20 की बैठक :** ज.ने.कृ.वि.वि. के अधीनस्थ 21 कृषि विज्ञान केन्द्रों की कार्य योजना 2019–20 की बैठक

दिनांक 13–14, जून, 2019 को आयोजित की गई जिसमें सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों के प्रमुखों ने कार्ययोजना की विस्तृत जानकारी दी।

कृषक भ्रमण एवं प्रशिक्षण

25–29 जून, 2019 तक मास्टर ट्रेनर्स ट्रेनिंग प्रोग्राम के अंतर्गत वानिकी विभाग द्वारा संचालनालय विस्तार सेवाओं में आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न जिलों के 25 कृषि विभाग के अधिकारी उपस्थित हुये ।

कृषि विज्ञान केन्द्रों की गतिविधियाँ

कृषि विज्ञान केन्द्र, बालाघाट

प्रोजेक्ट भरोसा के अंतर्गत प्रशिक्षण एवं आदान वितरण

केन्द्र द्वारा प्रोजेक्ट भरोसा के अंतर्गत बालाघाट जिले के पिछड़े व आदिवासी बाहुल्य ग्रामों में कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए 10 ग्रामों का चयन किया गया है, जिसमें चिलोरा एवं नेवरवाही में दिनांक 27 जून, 2019 को कृषकों को जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर द्वारा कृषकों को धान का ब्रीडर सीड 1 हेक्टेयर क्षेत्र के लिए 60

किलोग्राम निःशुल्क प्रदान किया गया, इसके साथ ही चयनित किसानों को यूरिया खाद की 3 बोरी, सुपर फॉस्फेट खाद की 4 बोरी, 25 किलोग्राम जिंक सल्फेट, 25 किलोग्राम पोटाश खाद और बीजोपचार व कीटनाशक दवा निःशुल्क प्रदान की गयी।

इन ग्रामों में आयोजित कार्यक्रम में म.प्र. विधानसभा उपाध्यक्ष सुश्री हिना लिखीराम कावरे मौजूद थी। किसानों को खाद बीज वितरण कार्यक्रम में लांजी के एसडीएम गोविंद दुबे, एसडीओपी नितेश भार्गव, उपसंचालक कृषि राजेश त्रिपाठी, सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे। केन्द्र प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. आर.एल. राऊत द्वारा किसानों को धान की खेती के लिए प्रशिक्षण दिया गया।

क्षमता विकास कार्यशाला

ग्रीन इण्डिया मिशन ईको सिस्टम सर्विसेस इम्प्रूवमेन्ट प्रोजेक्ट के तहत क्षमता विकास कार्यशाला का आयोजन उप वनमण्डल कार्यालय लांजी में किया। कार्यशाला में लांजी के अंतर्गत आने वाली समितियों के सदस्यों एवं किसानों को वनों पर आधारित कार्य के अलावा सामूहिक रूप से आजीविका क्षमता विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किसानों को फसल उत्पादन, मत्स्य उत्पादन, दुग्ध उत्पादन, एजोला, वर्मीकम्पोस्ट, मिट्टी परीक्षण पर तकनीकी जानकारी विस्तार पूर्वक दी गई। इस कार्यशाला की अध्यक्षता श्री जी.के. वरकड़े (एस.डी.ओ.) वन विभाग लांजी ने की। कार्यक्रम में वैज्ञानिक डॉ. आर.पी. अहिरवार

श्री जे.एन. तिवारी, वन रेंज लांजी, श्री आर.के. कुशवाह, वन रेंज किरनापुर, प्रगतिशील किसान श्री जियालाल राहंगडाले एवं अन्य विभागों के अधिकारियों ने विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी।

कृषि विज्ञान केन्द्र, बैतूल

मक्के की फसल में फॉल आर्मी वर्म प्रबंधन

केंन्द्र द्वारा दिनांक 26 मई 2019 को जिले में कार्यरत कृषि विस्तार अधिकारियों के लिये जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस जागरूकता कार्यक्रम का मूल उद्देश्य कृषकों को फॉल आर्मी वर्म के प्रकोप एवं इसकी रोकथाम के लिए जानकारी देना था। कार्यक्रम के आरंभ में केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. व्ही.के. वर्मा ने मक्के की फसल में आने वाले कीट, फॉल आर्मी वर्म के बारे में किसानों को अवगत कराया एवं इसके प्रबंधन के लिए किसान भाई क्या क्या तैयारियां कर सकते है इसके बारे में जानकारी दी।

तकनीकी सत्र को आरंभ करते हुए केन्द्र के पौध संरक्षण वैज्ञानिक डॉ. आर.डी. बारपेटे द्वारा जिले की मक्के की फसल में आने वाले फॉल आर्मी वर्म के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुए उसके प्रबंधन के बारे में जानकारी दी गई। उद्यान वैज्ञानिक कु. रिया ठाकुर, डॉ. अनिल शिंदे, डॉ. मेघा दुबे, डॉ. संजीव वर्मा, डॉ संजय जैन ने बायोफर्टीलाइजर की एक प्रदर्शनी भी लगाई, इस कार्यक्रम में लगभग 800 कृषकों ने भाग लिया ।

दलहन एवं तिलहन पर कार्यशाला

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर के अधीनस्थ 24 कृषि विज्ञान केन्द्रों हेतु केन्द्र सरकार द्वारा संचालित कार्यक्रम राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के अंतर्गत दलहन एवं तिलहन फसलों पर समूह प्रदर्शनों की 14 एवं 15 मई 2019 को दो दिवसीय ''समीक्षा कार्यशाला'' का

आयोजन कृषि विज्ञान केन्द्र, बैतूल द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में डॉ. (श्रीमती) ओम गुप्ता, संचालक विस्तार सेवाएं, डॉ. ए.के. तिवारी, संचालक दलहन विकास, कृषि मंत्रालय, भारत सरकार, डॉ. डी.पी. शर्मा, संयुक्त संचालक विस्तार के साथ राज्य के 24 कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिकों ने भाग लिया। कार्यक्रम में दलहन एवं तिलहन फसलों के उत्पादन में प्रमुख समस्याएं एवं निराकरण हेतु पूर्णतः अनुमोदित उन्नत प्रौद्योगिकियों के प्रदर्शन के परिणामों की समीक्षा की गई। तिलहन फसलों में सोयाबीन, अलसी, सरसों एवं दलहनी फसलों में चना, अरहर, मसूर, मूंग, उड़द आदि फसलों के उत्पादन तकनीकों के परिणामों की समीक्षा की गई। कार्यक्रम के आरंभ में केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. विजय कुमार वर्मा ने अतिथियों का स्वागत किया एवं कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला।

कृषि विज्ञान केन्द्र, छतरपुर

माननीय कुलपति जी का भ्रमण

दिनांक 10.04.2019 को जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर के माननीय कुलपति महोदय प्रो. प्रदीप कुमार बिसेन जी द्वारा केन्द्र के प्रक्षेत्र मऊ जगत सागर में स्थापित फलोद्यान, तालाब, स्थापित जैव उर्वरक निर्माण के साथ साथ कार्यालय का भ्रमण किया गया जिसमें केन्द्र पर लगी हुई नर्सरी इकाई, उद्यानिकी फसल

संग्रहालय, औषधीय, पशु उत्पादकता इत्यादि इकाईयों का भ्रमण किया, साथ ही केन्द्र में संचालित गतिविधियों के बारे में जानकारी प्राप्त की केन्द्र में कार्यरत कर्मचारियों को जिले के कृषकों के प्रति समर्पण एवं सेवा की भावना से कार्य करने के निर्देश दिये गये। केन्द्र द्वारा महाराजा छत्रसाल केसरी जी की प्रतिमा देकर माननीय कुलपति का सम्मान किया गया। कार्यक्रम के दौरान कृषि महाविद्यालय टीकमगढ़ के माननीय अधिष्ठाता महोदय डॉ. ऐ.के. सरावगी जी एवं अन्य वैज्ञानिक उपस्थित रहे।

विश्व पर्यावरण दिवस

केन्द्र द्वारा दिनांक 05.06.2019 को विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन किया गया, इस कार्यक्रम में कुल 29 कृषकों की भागीदारी रही। केन्द्र वैज्ञानिक डॉ. राजीव सिंह, डॉ. कमलेश अहिरवार जी ने पर्यावरण में बढ़ते प्रदूषण के प्रमुख कारण, कृषि में कौन–कौन सी सावधानी रखे कि वातावरण प्रदूषण मुक्त रखा जा सकें, जैसे अनुशंसित मात्रा से अधिक रासायनिक दवा या खाद का प्रयोग न करें जिससे रासायनिक कुप्रभाव से बचाया जा सके, कृषक बन्धु फसल अवशेष को न जलाये, उनका उपघटन जैव अपघटक द्वारा यथा स्थान पर कराया जाये, जिससे अधिक से अधिक फसल को अपघटित किया जाकर मृदा में पोषक तत्व स्तर में वृद्धि किया जा सके और उक्त उपघटित पदार्थ में सूक्ष्म जीव से स्रावित हयूमिक, फ्लेविक एसिड का स्राव होता है तथा मृदा जल धारण क्षमता में विकास होता है जिससे सिंचाई में दिनों के अन्तर को बढ़ाया जा सकता है और सिंचाई संख्या को कम किया जा सकता है।

कृषि विज्ञान केन्द्र, कटनी

मृदा परीक्षण अभियान

वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. अजय तोमर के मार्गदर्शन में

केन्द्र, द्वारा अप्रैल एवं मई माह में मृदा परीक्षण अभियान के अंतर्गत 140 मृदा नमूने एकत्र किए गए। प्रक्षेत्रीय परीक्षण एवं अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन संपन्न करने के पूर्व मृदा नमूनों को एकत्र किया जाना आवश्यक है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मृदा परीक्षण के बारे में जागरूकता लाना तथा फसल उत्पादन के लिए उपयुक्त उर्वरक एवं उनकी मात्रा का निर्धारण करना है।

मक्का फसल में फॉल आर्मी वर्म के लिए प्रशिक्षण संपन्न

केन्द्र, द्वारा डॉ. ए.के. तोमर (वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख) के नेतृत्व में कटनी जिले के बहोरीबंद तहसील के गाँव तेवरी एवं बण्डा में मक्का फसल में लगने वाले कीट फॉल आर्मी वर्म के नियंत्रण के बारे में प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, जिसमें केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. ए.के. दुबे एवं डॉ. आर.पी. बेन द्वारा जानकारी प्रदान की गई।

कृषि विज्ञान केन्द्र, मण्डला

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन दिनांक 21.06.2019 को केन्द्र में संपन्न हुआ। वात, पित्त, कफ दोषों को दूर करने हेतु योगाभ्यास आसन, प्राणायाम, शुद्धि क्रियाएं, कपालभांती, अनुलोम विलोम, मंजरी क्रिया, मंडूक आसन,

भ्रामणी प्राणायाम आदि का अभ्यास किया गया, साथ ही दैनिक जीवन में निरोगी काया हेतु योग के महत्व पर चर्चा की गयी।

आदिवासी उपयोजना के अंतर्गत कृषक प्रशिक्षण

केन्द्र द्वारा वार्षिक अभियोजना कार्यशाला दिनांक 13–16 जून 2019, को अंगीकृत सेटेलाईट गॉव डुंगरिया, सिलपुरी, खुक्सर, मूढ़ाडीह विकासखंड निवास में सुपर फूड के नाम से प्रसिद्ध क्विनोवा फसल को बढ़ावा देने जिससे ''आदिवासी बाहुल्य क्षेत्रों में दैनिक आहार संतुलित हो सके'' हेतु कृषक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, इस कार्यक्रम में केन्द्र के सभी वैज्ञानिक उपस्थित थे।

कृषि विज्ञान केन्द्र, छिंदवाड़ा

संचालक विस्तार द्वारा पुष्प जरवेरा प्रक्षेत्र का भ्रमण

दिनांक 16 मई 2019 को डॉ. (श्रीमति) ओम गुप्ता, संचालक विस्तार सेवाऐं, डॉ. डी. पी. शर्मा, संयुक्त संचालक विस्तार सेवाऐं एवं केन्द्र के डॉ. सुरेन्द्र पन्नासे, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख एवं अन्य वैज्ञानिक विकासखण्ड मोहखेड़ के ग्राम गाडरवाड़ा के उन्नतशील कृषक श्री शरद चौहान के पॉलीहाउस में जरबेरा पुष्प का प्रक्षेत्र का भ्रमण किया, जिसमें प्रांतो की सात किस्मों का अवलोकन किया एवं सभी किस्मों का आर्थिक रूप से तुलनात्मक अध्ययन किया, साथ ही जरबेरा की खेती से जुड़ी सारी बातें जैसे कीट प्रबंधन, रोग प्रबंधन, सिंचाई प्रबंधन एवं खरपतवार प्रबंधन आदि के बारे में जानकारी दी गईं। फूलों की बिक्री हेतु नागपुर एवं रायपुर भेजने हेतु सुझाव दिए गये। संचालक महोदया द्वारा कृषकों की आय दोगुनी करने हेतु इस तरह के तकनीकी आयामों का ज्यादा से ज्यादा प्रयोग करने की सलाह दी गई एवं गौशाला का भी अवलोकन किया गया।

मक्का फॉल आर्मी वर्म कीट के प्रकोप का विशेषज्ञों द्वारा निरीक्षण

माननीय मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन के कार्यालय से प्राप्त निर्देशानुसार एवं मक्का उत्पादन में छिन्दवाड़ा जिले की महत्वता को देखते हुये आगामी खरीफ मौसम में फॉल आर्मीवर्म कीट का प्रबंधन उपयुक्त हो एवं किसान भाईयों में कीट के प्रबंधन हेतु जागरूकता निर्मित हो, इसीलिए मध्यप्रदेश शासन एवं माननीय कुलपति ज.ने.कृ.वि.वि प्रो. प्रदीप कुमार बिसेन के निर्देशानुसार वि.वि. के कीट वैज्ञानिकों की टीम का गठन कर दिनांक 23.01.2019 को छिन्दवाड़ा जिले में मक्का फसल का निरीक्षण किया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, दमोह

कृषक प्रशिक्षण

माईसेम सीमेंट वर्क्स एवं कृषक प्रशिक्षण केंद्र के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 17.06.2019 को अंगीकृत ग्राम इमलाई (नरसिंगगढ़) के कृषकों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया जिसमें लगभग 50 किसानों की उपस्थिति रही। प्रशिक्षण का आयोजन प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. ए.के. श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में किया गया। प्रशिक्षण में केन्द्र के वैज्ञानिक

मनोज अहिरवार एवं बी.एल. साहू का सहयोग रहा।

समूह तिलहन प्रदर्शन

सी.एफ.एल.डी (तिलहन) कार्यक्रम के अंतर्गत केंद्र द्वारा 50 कृषकों को सोयाबीन का उन्नत किस्म – आर.वी.एस 2001–4 का बीज, फफूँदनाशक एवं कल्चर का वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में डॉ. ए.के. श्रीवास्तव के साथ केन्द्र में अन्य वैज्ञानिक उपस्थित थे।

कृषि विज्ञान केन्द्र, डिण्डोरी

जिला स्तरीय कार्यशाला

जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 31 मई, 2019 को जिला पंचायत सभागार में समन्वित कृषि प्रणाली पर कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न विकासखंड के लिए उपयुक्त समन्वित कृषि प्रणाली पर विस्तार से चर्चा की गई जिससे की कृषकों की आय दुगनी की जा सके। कार्यशाला की अध्यक्षता जबलपुर कमिश्नर श्री राजेश बहुगुणा ने की, कार्यशाला में डिंडोरी कलेक्टर सुरभि गुप्ता, जिला पंचायत सीईओ श्री दिलीप यादव, संयुक्त कलेक्टर श्री दीपक यादव, उपसंचालक कृषि, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. हरीश दीक्षित, वैज्ञानिक डॉ. श्रीमती गीता सिंह एवं सभी विभागों के प्रमुख थे। वैज्ञानिक डॉ. श्रीमती गीता सिंह द्वारा जिले के कृषकों की पृष्ठभूमि को ध्यान में रखते हुए समन्वित कृषि प्रणाली पर विभिन्न मॉडल

बतलाये विस्तार कार्यकर्ताओं ने अपनी समस्याओं का समाधान भी प्राप्त किया कार्यक्रम का समापन संयुक्त संचालक कृषि श्री के. एस. नेताम द्वारा किया गया ।

कृषि विज्ञान केन्द्र, हरदा

खरीफ तिलहन कार्यक्रम

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन तिलहनी फसल 2019–20 के अंतर्गत 20 हेक्टेयर क्षेत्रफल में 50 कृषकों के प्रक्षेत्र पर सोयाबीन की किस्म जे. एस. 2069 पर अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन डाले गये।

''चलें खेत की ओर'' कार्यक्रम संपन्न

केन्द्र द्वारा सम्पूर्ण जिले में ''चले खेत की ओर'' कार्यक्रम के अंतर्गत कृषक संगोष्ठी, कृषक जागरूकता सह प्रशिक्षण जैसे आयोजित कार्यक्रमों में डॉ. आर सी शर्मा, डॉ. सर्वेश

कुमार व पुष्पा झरिया आदि वैज्ञानिको द्वारा भागीदारी की गई तथा कृषकों को मक्का में फाल आर्मी वर्म कीट की पहचान व प्रबंधन के विस्तृत जानकारी के साथ खरीफ फसलों की फसल योजना की तैयारी (मक्का, मूँग, उड़द, सोयाबीन, अरहर, बोनी की तैयारी, बीजोपचार भूमि उपचार व अंकुरण परीक्षण) उन्नतशील किस्में व स्व सहायता समूह के माध्यम से आय बढ़ाने के प्रयास आदि विषयों पर जानकारी दी गई ।

कृषि विज्ञान केन्द्र, जबलपुर

मक्का में फाल आर्मीवर्म पर जागरूकता कार्यक्रम

केन्द्र एवं किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के संयुक्त प्रयास से दिनांक 31 मई 2019 को मक्के में फाल आर्मीवर्म जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन केन्द्र की प्रमुख डॉ. रश्मि शुक्ला के मार्गदर्शन में जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के सरदार बल्लभ भाई पटेल सभागृह में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. प्रदीप कुमार बिसेन विशिष्ट अतिथि डॉ. आर.एम. साहू, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय जबलपुर, डॉ. डी.पी. शर्मा, संयुक्त संचालक तथा उप संचालक कृषि श्री एस.के. निगम, डॉ. ए. के. भौमिक, विभागाध्यक्ष कीट शास्त्र ने अपने महत्वपूर्ण सुझाव दिये। संगोष्ठी में विशेषज्ञ के रूप में डॉ. एस.बी. दास, डॉ. ए.के. सिंह, डॉ. प्रमोद गुप्ता, डॉ. डी.के. सिंह, डॉ. नितिन सिंघई ने विषयवार सुझाव दिये। डॉ. नीलू विश्वकर्मा, डॉ. अक्षता तोमर, डॉ. प्रमोद शर्मा, श्रीमति जी. जी. एनी आदि का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम में कुल 412 कृषक एवं कृषक महिलाओं ने भाग लिया ।

स्वसहायता समूहों का गठन एवं संचालन पर प्रशिक्षण

केन्द्र द्वारा दिनांक 24.06.2019 को आय अर्जन करने हेतु स्वसहायता समूहों का गठन एवं संचालन विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. रश्मि शुक्ला के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण में विभिन्न स्वसहायता समूहों की कुल 35 महिला प्रतिनिधियों ने भाग लिया। समूहों को आर्थिक रूप से सफल बनाने के लिए डॉ. नीलू विश्वकर्मा ने सिंघाड़ा एवं बेकरी उत्पादों का प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण दिया। केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. डी.के. सिंह ने समूह गठन एवं प्रबंधन की जानकारी दी । प्रशिक्षण के दौरान केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. एन.के. सिंह, डॉ. अक्षता तोमर, डॉ. नितिन सिंघई, डॉ. .प्रमोद शर्मा, श्रीमति जी.जी. एनी ने विषयवार तकनीकी जानकारी दी ।

कृषि विज्ञान केन्द्र, नरसिंहपुर

संचालक महोदया द्वारा केन्द्र का भ्रमण

संचालक विस्तार सेवायें डॉ. श्रीमती ओम गुप्ता, संयुक्त संचालक डॉ. डी.पी. शर्मा एवं विश्वविद्यालय के उप लेखानियंत्रक डॉ. अजय खरे ने विगत दिनों कृषि विज्ञान केन्द्र नरसिंहपुर का निरीक्षण किया एवं आवश्यक निर्देश दिये, निरीक्षण के दौरान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. के.व्ही. सहारे व अन्य वैज्ञानिक डॉ. आशुतोष शर्मा, डॉ. यतिराज खरे, डॉ. एस.आर. शर्मा, डॉ. पूजा चतुर्वेदी, श्रीमति रजनी प्रभा कोरी एवं अन्य कर्मचारी भी उपस्थित थे।

दलहन समूह प्रदर्शन

केन्द्र द्वारा भारत सरकार अटारी जोन–9 के निर्देशन में एवं विस्तार संचालनालय के मार्गदर्शन में जिले के दो विकासखंड गोटेगांव के ग्राम भामा में 10 हेक्टेयर में 25

कृषको को एवं विकासखंड चीचली के तेन्दूखेडा ग्राम में 10 हेक्टेयर में 25 कृषकों को दलहन समूह प्रदर्शन के तहत अरहर प्रजाति टीजेटी 501 के प्रदर्शन हेतु जी.पी.एस. आधारित एवं मृदा प्रशिक्षण कराकर प्रदर्शन डाले गये ।

कृषि विज्ञान केन्द्र, पन्ना

समूह अंग्रिम पंक्ति प्रदर्शन

केन्द्र द्वारा वर्ष 2019 जायद में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के अंतर्गत समूह अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन तिल का 25 एकड़ में गांव जनवार, रिछी एवं सलैया में 25 कृषकों के खेतों पर उन्नत तकनीक का प्रदर्शन कियान्वित किया गया। प्रदर्शन अंतर्गत उन्नत किस्म टी.के.जी. 308, एजोस्पारिलम, पी.एस.बी., स्यूडोमोनास, ट्रायकोडर्मा आदि सामग्री कृषकों को निःशुल्क प्रदाय की गई। तिल की बुवाई कतार विधि से कराई गई। कृषकों को तिल की उन्नत तकनीक की जानकारी प्रशिक्षण, संगोष्ठी एवं फसल भ्रमण के माध्यम से नियमित दी गई थी।

कृषि विज्ञान केन्द्र, रीवा

वानिकी एवं उद्यानिकी वन कर्मचारी प्रशिक्षण सम्पन्न

केन्द्र में दो दिवसीय वन कर्मचारी प्रशिक्षण कार्यक्रम का

आयोजन हुआ, जिसके मुख्य अतिथि डॉ. एस. के. पाण्डेय अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय रीवा, अध्यक्ष डॉ. ए. के. पाण्डेय वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रमुख एवं विशिष्ट अतिथि श्री वाई. पी. वर्मा, एस. डी. ओ. अनुसंधान एवं विस्तार थे। कार्यक्रम के प्रभारी डॉ. राजेश सिंह वैज्ञानिक, उद्यानिकी ने प्रशिक्षण कार्यक्रम की रुप रेखा के विषय पर चर्चा के साथ अपने विषय पर तकनीकी जानकारी प्रशिक्षणार्थियों को दी। इस अवसर पर डॉ. ए.के. पाण्डेय ने बताया कि कृषि को वानिकी से जोड़कर अधिक से अधिक लाभ प्राप्त किया जा सकता है। इस अवसर पर प्रमुख रूप से विभिन्न विषयों की तकनीकी जानकारी देने हेतु केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. अखिलेश कुमार, डॉ. संजय सिंह, डॉ. बी.के. तिवारी, श्री अखिलेश पटेल, डॉ. स्मिता सिंह, डॉ. के. एस. बघेल, श्री धीरेन्द्र कुमार उपस्थित थे। स्वच्छता कार्यक्रम प्रभारी डॉ. अखिलेश कुमार ने इस अवसर पर स्वच्छता विषय पर प्रशिक्षणाथियों को जागरुक किया।

ग्रीष्मकालीन मूँग से किसान हुए लाभान्वित

केन्द्र द्वारा 20 हेक्टेयर क्षेत्र में 50 कृषकों के यहाँ राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के अंर्तगत मूँग की उन्नतशील किस्म एम. एच. 421 की फसल का समूह पंक्ति प्रदर्शन डाला गया जिसमें जिले के विभिन्न ग्रामों बरा, हरिहरपुर, पड़िया, रीठी, पड़ोखर, अमिलकी, कनौजा एवं पुरैना का चयन किया गया। केन्द्र के सस्य वैज्ञानिक डा. ब्रजेश कुमार तिवारी एवं इस परियोजना के प्रभारी ने बताया कि किसानों ने जिले के

दो फसली क्षेत्र को तीन फसली क्षेत्र में परिवर्तित कर अनूठा प्रयास किया है, भविष्य में रीवा जिले की फसल सघनता निश्चित बढ़ेगी एवं कृषकों को तीसरी फसल लेने से अतिरिक्त आय बढ़ेगी साथ ही साथ मृदा उर्वरता में भी सुधार होगा। केन्द्र के वैज्ञानिक एवं प्रभारी डॉ. ब्रजेश कुमार तिवारी, सस्य वैज्ञानिक डॉ. स्मिता सिंह, विस्तार शिक्षा विशेषज्ञ डॉ. संजय सिंह एवं धीरेन्द्र कुमार ने ग्राम बरा, हरिहरपुर, पड़िया, पड़ोखर, अमिलकी एवं पुरैना ग्रामों का कृषक प्रक्षेत्रों मे प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया। भारत सरकार, कृषि मंत्रालय दलहन निदेशालय भोपाल से वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. श्वेता कुमारी ने वैज्ञानिकों के साथ ग्रामों का भ्रमण कर कृषकों से सीधे संवाद कर जिले में दलहन उत्पादन बढ़ाने हेतु रणनीति बनाई। डॉ. श्वेता कुमारी ने कृषि विज्ञान केन्द्र रीवा में भ्रमण कर वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. अजय कुमार पाण्डेय, डॉ. अखिलेश पटेल, डॉ. राजेश सिंह, डॉ. अखिलेश कुमार, डॉ. के. एस. बघेल से संवाद स्थापित कर मूँग में डाले गये प्रर्दशनों की सराहना की ।

कृषि विज्ञान केन्द्र, सागर

औषधीय और सुगंधित पौधों की खेती पर जागरूकता सह–प्रशिक्षण कार्यक्रम

सी.एस.आई.आर.–आई.आई.आई.एम., जम्मू की बुन्देलखण्ड परियोजना के तहत औषधीय और सुगंधित पौधों के संवर्धन और प्रसंस्करण पर जागरूकता–सह–प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन केन्द्र के सहयोग से किया गया। डॉ. सभाजीत, वैज्ञानिक, सी.एस.आई.आर.–आई.आई.आई.एम., जम्मू ने परियोजना के समग्र उद्देश्यों, बुंदेलखण्ड क्षेत्र के वर्षा आधारित और कंडी क्षेत्रों के लिए उपयुक्त लक्षित व्यावसायिक फसलों के पैकेज और प्रथाओं को प्रस्तुत किया एवं सी एस आई आर द्वारा विकसित लेमन ग्रास (CKP-25 और CPK-F2-38), रोजाग्रास (RRL (J) CN5 & IIIM (J) CK-10) और जम्मू मोनार्दा किस्मों पर प्रकाश डाला। डॉ. के. एस. यादव, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख ने औषधीय और सुगंधित फसलें उगाने के अपने अनुभवों को कृषकों से साझा किया। कार्यक्रम में केन्द्र के वैज्ञानिक डॉ. आशीष कुमार त्रिपाठी एवं श्री मयंक मेहरा ने भी कृषकों को औषधीय एवं सुगंधीय पौधों की महत्ता पर प्रकाश डाला। प्रशिक्षण कार्यक्रम में परियोजना सहायक रवीन्द्र वर्मा, धीरज गुर्जर, कौशल, जगन्नाथ, भवेता पाण्डेय, रामजी, इन्द्रपाल सहित सागर जिले के 100 से अधिक किसानों ने भाग लिया ।

विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन

केन्द्र व अभ्योदय संस्थान एच.डी.एफ.सी. के संयुक्त तत्वाधान में द्वारा दिनांक 05 जून 2019 को ग्राम मजगुंआ अहीर में विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ग्राम मझमुंआ के सरपंच श्री पप्पू घोशी ने की। विशिष्ठ अतिथि के रूप में ग्राम ढ़ाना के सरपंच श्री घनश्याम सिंह उपस्थित हुए। डॉ. के.एस. यादव, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख ने पौध रोपण तकनीकी की जानकारी दी तथा जल, वायु एवं ध्वनि प्रदूषण से जलवायु परिर्वतन के बारे में बताया। डॉ. आशीष कुमार त्रिपाठी ने पर्यावरणीय संतुलन हेतु पौध रोपण के महत्व पर प्रकाश डाला तथा कृषकों को जैविक खेती की ओर अग्रसर होने को प्रेरित किया। श्री मयंक मेहरा व श्री तन्मय खन्ना ने पौध रोपण, रख–रखाव की जानकारी व वृक्षों के मानव जीवन में महत्व की जानकारी दी। केन्द्र की ओर से कृषकों को पपीता व अमरूद के पौधें वितरित किए गए तथा पौध रोपण का कार्य कराया गया। कार्यक्रम में ग्राम ढाना, भैंसा, मझगुंआ, मसांजरी के 70–80 उन्नतशील कृषकों ने भाग लिया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, सिवनी

माननीय कुलपति डॉ. पी.के. बिसेन जी का भ्रमण

जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर के कुलपति डॉ. पी. के. बिसेन द्वारा मोगली की भूमि में स्थित जैविक कृषि उत्पाद की दुकान का उद्घाटन किया गया, सिवनी जिले की प्रथम बैनगंगा महिला बहुउद्देशीय प्रसंस्करण सहकारी समिति द्वारा संचालित की जा रही है जैविक कृषि उत्पादन हेतु तकनीकी सहयोग एवं मार्गदर्शन कृषि विज्ञान केंद्र एवं आत्मा द्वारा दिया जा रहा है। माननीय कुलपति जी द्वारा उद्घाटन उपरांत केन्द्र का अवलोकन किया तथा उत्पाद एवं कृषक उपयोगी महत्वपूर्ण कृषि साहित्य का विमोचन किया तथा कुलपति जी ने अपने उद्बोधन में कहा की महिला कृषकों का जैविक कृषि उत्पाद के व्यवसाय में समूह में कार्य करना निश्चित ही उत्तम संकेत है। महिलायें अगर समन्वय के साथ कार्य करेंगी तो निश्चित ही अति उत्कृष्ट लाभ प्राप्त होगा।

इस कार्यक्रम में 30 महिला कृषक एवं 20 कृषक एवं कृषि विभाग के (SADO) श्री मोरिस नाथ, श्री आई. डी. मेश्राम (ASCO) कृषि विभाग, प्रगतिशील कृषक में श्री अनिल सहारे, श्री अरूण चौरसिया, श्री अयोध्याप्रसाद भोयर, एवं आत्मा समिति के डॉ. अखिलेश कुल्हाडे की उपस्थिति रही।

कृषि विज्ञान केन्द्र कृषि तकनीक का पावर हाउस– डॉ. ओम गुप्ता

संचालक विस्तार सेवायें, डॉ. श्रीमति ओम गुप्ता एवं संयुक्त संचालक विस्तार डॉ. दिनकर शर्मा द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र सिवनी में संचालित होने वाली कृषक हितैषी विभिन्न परियोजनाओं एवं कृषि तकनीकी के कार्यो का निरीक्षण किया, डॉ. गुप्ता द्वारा केन्द्र के विभिन्न विषयों के वैज्ञानिकों से उनके द्वारा किये गये कार्यो की एक बैठक कर समीक्षा के

साथ ही केन्द्र में संचालित मृदा परीक्षण प्रयोगशाला, पशुपालन ईकाई एवं केंचुआ खाद उत्पादन तकनीक की विस्तार से जानकारी डॉ. के. के. देशमुख, मृदा वैज्ञानिक द्वारा दी गई। मुर्गीपालन इकाई एवं ग्रीष्मकालीन प्रजनक बीज सोयाबीन (किस्म जे. एस. 2034) विस्तार से जानकारी प्रभारी डॉ. निखिल सिंह द्वारा प्रदान की गई, एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. ए. पी. भंडारकर ने प्रदर्शनी कक्ष एवं कृषक उपयोगी जैव उर्वरकों की जानकारी विस्तार से दी। डॉ. राजेन्द्र सिंह ठाकुर एवं श्री जी. के. राणा द्वारा केन्द्र के कृषक भवन एवं न्यूट्री स्मार्ट, सेटेलाईट विलेज के कार्यो की विस्तार पूर्वक जानकारी प्रदान की गई।

कृषि विज्ञान केन्द्र, सिंगरौली

ग्रामीण युवकों को रोजगार परक प्रशिक्षण

केन्द्र द्वारा ग्रामीण एवं विद्यालय छोड़ चुके युवकों एवं युवतियों को रोजगार परक व्यवसायिक प्रशिक्षण केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. जय सिंह के मागदर्शन में दिनांक 22 अप्रैल 2019 से 26 अप्रैल 2019 तक आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में 28 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया। प्रतिभागियों को पौध संरक्षण तकनीकी से परिचित कराते हुए यह बताया गया कि इससे किस प्रकार रोजगार प्राप्त किया जा सकता है।

विश्व पर्यावरण दिवस

दिनांक 5 जून 2019 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर केन्द्र के प्रागंण में वृक्षारोपण के साथ ग्राम खुटार के सामुदायिक भवन में कृषक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. जय सिंह, वैज्ञानिक डॉ. ए.के. चौबे, डॉ. केतकी धुमकेती ने कृषकों को जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को न्यूनीकृत करने हेतु पौध रोपण के बारे में बताया कि जलवायु परिवर्तन मानव जीवन को किस प्रकार प्रभावित कर रहा है एवं इससे बचने का एक मात्र उपाय वृक्षारोपण ही है। इस अवसर पर 20 कृषकों को नीम, अशोक, आम एवं पीपल के पौधो का वितरण किया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, टीकमगढ़

कृषकों के साथ माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का सीधा संवाद सम्पन्न

केन्द्र के द्वारा दिनांक 20 जून 2018 को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी एवं कृषकों के साथ सीधा संवाद का प्रसारण प्रातः 9:30 से प्रारंभ होकर 11:00 बजे तक डी.डी. किसान एवं डी.डी. नेशनल चैनल पर प्रदर्शित हुआ। माननीय प्रधानमंत्री जी से देश के लगभग 10 विभिन्न राज्य जिसमें मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, कर्नाटक, उड़ीसा, राजस्थान, आसाम एवं आंध्रप्रदेश से पाँच–पाँच किसानों से सीधे संवाद कर उनकी वर्तमान खेती की स्थिति एवं आय को दुगना करने के साथ ही देश भर में संचालित कृषि सम्बंधित योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उपरोक्त कार्यक्रम में अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय टीकमगढ़ डॉ. ए. के. सरावगी, केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. एच. एस. राय, उपसंचालक किसान कल्याण एवं कृषि विकास श्री एस. के. श्रीवास्तव एवं केंद्र के वैज्ञानिक डॉ. एस. के. सिंह, डॉ. एस. के. खरे, डॉ. आर. के. प्रजापति, डॉ. यू. एस. धाकड़ एवं डॉ. आई. डी. सिंह एवं लगभग 142 कृषक उपस्थित थे।

कृषि विज्ञान केन्द्र, शहडोल

संभाग स्तरीय जैविक खेती कार्यशाला

दिनांक 21 मई 2019 को संभाग स्तरीय जैविक खेती कार्यशाला का आयोजन मानस भवन शहडोल में किया गया जिसकी अध्यक्षता कमिश्नर शहडोल संभाग, श्री शोभित जैन द्वारा की गई एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्व विद्यालय जबलपुर के डॉ. डी. के. पहलवान, डॉ. एस. बी. दास एवं डॉ. एस. के. मिश्रा उपस्थित थे। कार्यक्रम में लगभग 300 से ज्यादा विभागीय अधिकारी एवं कृषकों ने भाग लिया। कार्यक्रम मे सभी वक्ताओं ने जैविक खेती को बढ़ावा देने तथा जैविक खेती के प्रति जागरूकता लाने की बात कही। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक सह प्रमुख डॉ. मृगेन्द्र सिंह ने जैविक खेती के सिद्धान्त एवं समय के साथ खेती में बदलाव पर जानकारी दी एवं उन्होंने जैविक खेती को बढ़ाने के लिये सभी मंचों से इसकी जागरूकता और जवाहर जैव उर्वरकों के उपयोग पर बल दिया।

किसान संवाद कार्यक्रम

दिनांक 22 जून 2019 को ग्राम भानपुर में किसान संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें अपर कलेक्टर, अनुविभागीय अधिकारी सोहागपुर, मुख्य कार्यपालन

अधिकारी सोहागपुर, केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक प्रमुख डॉ. मृगेन्द्र सिंह एवं वैज्ञानिक श्री पी. एन. त्रिपाठी ने भाग लिया। कार्यक्रम में किसानों की आय दोगुनी करने पर चर्चा की गई एवं कृषि के साथ–साथ उद्यानिकी फसलों को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया। कार्यक्रम में कृषक परिवारों को कृषि में मौसम आधारित जोखिम कम करने के उद्देश्य से कृषि में विविधता लाने पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही फसलों, उद्यानिकी फसलों की उन्नत उत्पादन तकनीक एवं कृषक महिलाओं की कार्यदक्षता बढ़ाने के लिये उन्नत कृषि उपकरणों पर भी चर्चा की गई।

कृषि विज्ञान केन्द्र, सीधी

कृषक प्रशिक्षण

केन्द्र में दिनांक 13 मई 2019 को ग्राम बघऊ विकासखण्ड सीधी में एक दिवसीय कृषक प्रशिक्षण आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण श्री महेन्द्र सिंह बघेल, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख के मार्गदर्शन में डॉ. धनंजय सिंह वैज्ञानिक, सस्य विज्ञान, श्रीमती अमृता तिवारी, कार्यक्रम सहायक, पौध संरक्षण द्वारा दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान डॉ. धनंजय सिंह ने कृषकों को ग्रीष्मकालीन मूँग लगाने, ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई एवं मृदा परीक्षण की जानकारी दी एवं कृषकों को बीज भंडारण करने की सलाह दी। इस प्रशिक्षण में ग्राम बघऊ के 23 कृषक एवं कृषि विभाग के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी श्री पाठक जी उपस्थित रहे।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

केन्द्र में दिनांक 21 जून 2019 को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया जिसमें केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख श्री महेन्द्र सिंह बघेल, व डॉ. धनंजय सिंह, वैज्ञानिक व श्रीमती अमृता तिवारी, कार्यक्रम सहायक शामिल हुये।

कृषि विज्ञान केन्द्र, उमरिया

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के अंतर्गत प्रशिक्षण

केन्द्र द्वारा एन.एफ.एस.एम. अन्तर्गत ग्राम बरहाई विकासखण्ड पाली में दिनांक 28 मई 2019 तथा 26 जून 2019 को केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक /प्रमुख डॉ. के.पी. तिवारी के मार्गदर्शन में दलहन कलस्टर **अरहर अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन** अन्तर्गत कृषक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, जिसमें 85 कृषकों ने भाग लिया एवं तिलहन समूह **तिल अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन** अन्तर्गत ग्राम ताली में प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें 34 कृषकों ने भाग लिया।

उन्नत पौध नर्सरी इकाई की स्थापना

केन्द्र द्वारा दिनांक 03 जून 2019 में उन्नत सब्जी पौध नर्सरी इकाई की स्थापना एवं कृषकों को तकनीकी जानकारी प्रदान की गई, इस अवसर पर डॉ. विनीता सिंह, किशन कुमार राणा एवं अरूण रजक उपस्थित थे।

अवार्ड / सम्मान

अन्तर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में ''उत्कृष्ट विस्तार वैज्ञानिक'' पुरस्कार

डॉ. के.एस. यादव, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, कृषि विज्ञान केन्द्र, सागर को दिनांक 27–29 मई 2019 को त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमाण्डू, नेपाल एवं सोसायटी फॉर एग्रीकल्चर इनोवेशन एण्ड डेवेलपमेंट, रांची के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में ''उत्कृष्ट विस्तार वैज्ञानिक'' के रूप में सम्मनित किया गया। डॉ. यादव द्वारा इस कॉन्फ्रेंस में एक तकनीकी सत्र में चेयरमैन के रूप में भी संचालन किया गया तथा इस मौके पर उन्होंने डबलिंग फॉर इन्कम थ्रू हार्टिकल्चर विषय पर अपना प्रस्तुतीकरण भी दिया।

सीएचएआई (चाई) फैलो अवार्ड – 2019

दिनांक 28 से 31 मई 2019 तक ''इनोवेटिव हॉर्टिकल्चर एंड वैल्यू चैन मैनेजमैंट'' विषय पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन फेडरेशन ऑफ हार्टीकल्चर एसोसिएशन ऑफ इण्डिया, नई दिल्ली द्वारा गोविन्द वल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर, उत्तराखंड में किया गया, जिसमें **डॉ. आर के झाड़े, वैज्ञानिक (उद्यानिकी)** ने शोधपत्र ''संतरे में जलवायु परिवर्तनीय कारकों का पादप हार्मोन्स की गतिविधियों पर प्रभाव'' का प्रस्तुतीकरण दिया। कार्यक्रम में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के महानिदेशक डॉ त्रिलोचन महापात्र, कृषि मंत्रालय के सचिव डॉ. अशोक दलवई, पंतनगर विवि के कुलपति डॉ तेजप्रताप, पी.पी.वी.एफ.आर.ए., नई दिल्ली के निदेशक डॉ के.वी. प्रभु, कृषि वैज्ञानिक चयन मंडल, नई दिल्ली के चैयरमैन डॉ ए के मिश्रा, पूर्व चेयरमैन एएसआरबी डॉ. सी. डी. मायी, पूर्व डीडीजी हॉर्टिकल्चर डॉ. एच. पी. सिंह एवं देश विदेश के अन्य उद्यानिकी वैज्ञानिक मौजूद थे। इनके शोधपत्र पर डॉ. झाड़े को फैलो ऑफ चाई अवार्ड 2019 को प्रदान किया गया।

युवा वैज्ञानिक पुरस्कार

सोसायटी फॉर एग्रीकल्चर इनोवेशन एंड डेवलपमेंट, रांची एवं त्रिभुवन वि.वि. काठमांडू नेपाल में संयुक्त रूप से आयोजित दिनांक 27 से 29 मई 2019 को ''कृषि और संबद्ध विज्ञान के माध्यम से खाद्य सुरक्षा और एफएएएस–2019'' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के अवसर पर युवा वैज्ञानिक पुरस्कार डॉ. प्रमोद कुमार गुप्ता को कृषि सलाहकार सेवाओं में उत्कृष्ठ योगदान हेतु दिया गया।

विस्तार कार्य में उत्कृष्ठता अवार्ड

कृषि विज्ञान केन्द्र डिंडोरी की कृषि विस्तार वैज्ञानिक डॉ. श्रीमती गीता सिंह ने काठमांडू नेपाल में आयोजित तीन दिवसीय 16–18 जून, 2019 तृतीय अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन में किसान मोबाइल सलाहकार सेवाएं पर शोध पत्र एवं विस्तार कार्य में उत्कृष्ठता अवार्ड प्राप्त किया ।

आगामी माह के कृषि कार्य

अगस्त माह के कृषि कार्य

फसल उत्पादन

- धान्य फसलों में नत्रजन की शेष मात्रा दें। निंदाई–गुड़ाई करें एवं तना छेदक कीट की रोकथाम करें।
- सभी दलहन फसलों में निंदाई–गुड़ाई का कार्य पूर्ण करें।
- देर से वर्षा होने पर मूँग व उड़द की बुवाई प्रथम सप्ताह में करें। रामतिल की बोनी इस माह में अंत तक कर सकते हैं।
- मूँगफली की फसल में निंदाई–गुड़ाई करें। सूखे की स्थिति में जीवनदायी सिंचाई करें।
- वर्षो न होने पर कपास की फसल में 20–25 दिनों के अंतर पर सिंचाई करें। शेष नत्रजन उर्वरक की मात्रा दें, सिंचाई के बाद त्रिफली चला कर निंदाई–गुड़ाई करें।
- कपास में कोड़क रोग, चितकबरी लट, गुलाबी लट, कंबल कीट, ग्रेविविल की रोकथाम करें।

उद्यानिकी

- पपीते में तना सड़न की रोकथाम हेतु बोर्डो मिश्रण या ताँबायुक्त फफूँद नाशक दवा का छिड़काव 10 दिन के अंतराल पर करें।
- आँवला में नत्रजन उर्वरक की शेष आधी मात्रा देवें।
- फूल गोभी की मध्यकालीन किस्मों की नर्सरी तैयार करें।
- सब्जियों की फसल में कीट, रोग नियंत्रण हेतु पौध संरक्षण उपाय अपनायें।
- भिंडी व खरीफ प्याज में उर्वरक दें। सिंचाई एवं निंदाई–गुड़ाई करें।

पशुपालन

- गौ–माता रोग का टीका लगायें। बाहा परजीवों हेतु दवाई छिड़कें या लगायें।
- हरे चारे की अधिकता होने पर " हे " और साईजेल बनायें।
- पशु बाड़े में वर्षा का पानी इकट्ठा न होने दें।

सितंबर माह के कृषि कार्य

फसल उत्पादन

- आवश्यकतानुसार कपास की फसल में सिंचाई करें। बॉल वर्म, जैसिड आदि की रोकथाम करें।
- गन्ना में पायरिल्ल, तना छेदक तथा धान में गंधी मक्खी की रोकथाम करें।
- मूंगफली में अंतिम सिंचाई करें। खड़ी फसल में दीमक का प्रकोप होने पर 4 लीटर क्लोरपायरीफॉस 20 ई. सी. प्रति हेक्टेयर, सिंचाई के साथ दें।
- ई.सी. प्रति हेक्टेयर, सिंचाई के साथ दें।
- तिल के फसल में पत्ती व फली छेदक कीट रोकथाम हेतु क्यूनालफॉस 25 ई.सी. एक से डेढ़ लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें, झुलसा रोग हेतु मैंकोजेब 2 ग्राम दवा प्रति लीटर पानी में घोल की छिड़काव करें।
- ग्वार की फसल में मायला, सफेद मक्खी, हरा तेला एवं रोगों की रोकथाम करें।
- पकी हुई मूंग, उड़द, तिल जल्दी पकने वाली धान व मक्का फसलों की देखभाल करें।
- खरीफ की फसलों की सतत निगरानी रखें एवं कीट रोगों के प्रकोप होने पर रोकथाम करें।
- भूमि में नमी का संरक्षण करें, तोरिया, कुसुम व सितंबर अंत तक अलसी की बोनी करें।
- अभिसिंचित दशा में अगेती सरसों, तोरिया, अलसी व कुसुम की बोनी 15 सितम्बर से प्रारंभ करें।
- सिंचित दशा में अगेती मटर व आलू की बोवाई 15 सितम्बर से प्रारंभ करें।

उद्यानिकी

- बेर में फल छेदक कीट की रोकथाम करें।
- अमरूद में शेष नत्रजन की मात्रा दें।
- पत्ता गोभी, फूलगोभी की रोपणी तैयार करें।
- सब्जियों में खरपतवार निकाले एवं उर्वरक देकर सिंचाई करें।
- सब्जियों की खड़ी फसल में कीट व्याधियों की रोकथाम करें।

पशुपालन

- पशुओं में खुरपका–मुँहपका व भेड़ों व बकरियों में चेचक के टीके लगवायें।
- कृमिनाशक दवाई पिलायें।
- हर चारे की अधिकता में ''साईलेज'' बनायें।

अक्टूबर माह के कृषि कार्य

फसल उत्पादन

- सरसों की बोनी के लिए क्षेत्र में उपयुक्त किस्म के प्रमाणित बीज का प्रयोग करें। सरसों के उपचारित बीजों को 30 से.मी. कतारों में बोनी करें। सिफारिश अनुसार प्रारंभिक उर्वरक का प्रयोग अवश्य करें। अंकुरण के 7–10 दिन के बाद आरा–मक्खी, पेंटड बग की रोकथाम करें। निंदाई एवं विरलीकरण कर सरसों में पौधे से पौधे की दूरी 8–10 से.मी. रखें।
- बारानी क्षेत्र में सरसों की बुवाई 15 अक्टूबर तक एवं सिंचित क्षेत्र में इस माह के अंत तक बुवाई करें। जहां पलेवा करके बुवाई की जानी हो वहॉ वन प्याजी की रोकथाम करें।
- चने व सरसों की मिश्रित फसल बोयें।
- चने की बुवाई असिंचित अवस्था में अक्टूबर के अंत तक कर दें। बारानी क्षेत्रों में भी प्रारंभिक उर्वरकों का प्रयोग अवश्य करें। बीज जनित रोगों की रोकथाम हेतु बीज उपचार अवश्य करें।
- चने के बीज का जवाहर राइजोबियम व जवाहर पी. एस.बी. कल्चर से टीकाकरण व जवाहर ट्राइकोडर्मा से उपचारित कर बुवाई करें। बुवाई के 25–30 दिनों पर निंदाई करें।
- जौ की बुवाई के लिए उन्नत किस्म के प्रमाणित बीज का प्रयोग करें एवं बीजोपचार करें। समस्याग्रस्त क्षेत्रों में मध्य अक्टूबर तक बुवाई करें।
- शरदकालीन गन्ने की बुवाई करें।
- मध्य अक्टूबर के बाद गेहूं की देशी प्रजातियों की बोनी असिंचित तथा हवेली दशाओं में की जा सकती है।

उद्यानिकी

- नीबू वर्गीय फल के पौधों में कैंकर रोग की रोकथाम करें।
- लहसुन की बुवाई इस माह में करें।
- प्याज की उपयुक्त किस्मों की पौध तैयार करें।
- बटन मशरूम की खेती हेतु कम्पोस्ट बनायें।

बुक–पोस्ट
मुद्रित सामग्री

प्रेषक :

संचालनालय विस्तार सेवायें

ज.ने. कृषि वि.वि., जबलपुर

Website: www.jnkvv.org
e-mail:desjnau@rediffmail.com
des@jnkvv.org
Phone: 0761-2681710

मुद्रक : संचार केन्द्र, ज.ने.कृषि वि.वि., जबलपुर
फोन : 0761-4045384, ई-मेल : sanchar.jnkvv@gmail.com

प्रति, _____

_____

_____